

## झारखंड में पर्यटन की संभावनाएँ

श्रुति रानी \*

शोधार्थी,

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़

### Abstract

झारखंड, भारत के पूर्व-मध्य भाग में स्थित, पर्यटन की अनंत संभावनाओं से समृद्ध राज्य है। यह क्षेत्र अपनी प्राकृतिक खूबसूरती, घने जंगलों, जलप्रपातों, और पहाड़ी इलाकों के लिए जाना जाता है, जो साहसिक गतिविधियों के लिए आदर्श हैं। झारखंड की प्रमुख नदियाँ, जैसे कोयल और सुवर्णरेखा, न केवल दृश्य सौंदर्य का हिस्सा हैं, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देती हैं। ऐतिहासिक स्थलों की भरपूरता, जैसे पाथलकोट और गढ़वा, इसे एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गंतव्य बनाती है। यहाँ की जनजातीय संस्कृति, जो अपने रंग-बिरंगे त्योहारों, परंपराओं, और स्थानीय व्यंजनों से ऐश्वर्य प्रदान करती है, भी बहुत आकर्षक है। झारखंड में साहसिक खेलों, जैसे पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, और रिवर राफ्टिंग की अनूठी संभावनाएँ हैं, जो पर्यटकों को रोमांचित करती हैं। जैव विविधता, उदाहरण के लिए पलामू टाइगर रिजर्व, वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। हालांकि, पर्यटन अवसंरचना, सुरक्षा, और स्थानों की स्वच्छता जैसी चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए संगठित और ठोस नीतियों की आवश्यकता है। यदि सही दिशा में प्रयास किए जाएँ, तो झारखंड न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के मौकों को बढ़ाने के लिए मददगार साबित होगा।

**Keywords:** प्राकृतिक सौंदर्य, जलप्रपात, ऐतिहासिक स्थल, जनजातीय संस्कृति, जैव विविधता

### प्रस्तावना

झारखंड, भारत के पूर्व-मध्य भाग में बसा एक ऐसा राज्य है जो अपने समृद्ध प्राकृतिक सौंदर्य, विविध सांस्कृतिक धरोहर, और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यह राज्य अपनी अनूठी भौगोलिक संरचना और जीवित संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की विस्तृत पहाड़ियाँ, घने जंगल, जलप्रपात, और नदियाँ पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। झारखंड में पर्यटन की संभावनाएँ अपार हैं, जो न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को **revitalize** कर सकती हैं, बल्कि पूरे देश में इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं। यहाँ का

\* Corresponding Author: **Shruti Rani**

Email: [sophia@kluniversity.in](mailto:sophia@kluniversity.in)

Received 07 July. 2025; Accepted 24 August. 2025. Available online: 30 August. 2025.

Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension)

This work is licensed under a [Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License](https://creativecommons.org/licenses/by-nc/4.0/)



भूगोल बेहद खास है। झारखंड के कई हिस्से पहाड़ी और वनाच्छादित हैं, जो इसे साहसिक खेलों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं। यहाँ की प्रमुख नदियाँ जैसे कोयल, सुवर्णरेखा, और गंगा ना केवल दृश्य सौंदर्य को बढ़ाती हैं, बल्कि नदी किनारे रिसॉर्ट्स और कैंपिंग स्थलों के विकास की संभावना भी उत्पन्न करती हैं। झरनों की भरपूर संख्या जैसे जुड़ु जलप्रपात और धुरव जलप्रपात साहसिक गतिविधियों के प्रति उत्साही लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। झारखंड में ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों की भी कोई कमी नहीं है। यह क्षेत्र भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण रहा है, जहाँ प्राचीन समय के कई मंदिर और स्मारक देखने को मिलते हैं। गढ़वा जैसे स्थानों पर ऐतिहासिक महत्व के आवास और कलाकृतियाँ मौजूद हैं। पाथलकोट में प्राचीन स्तूप, मंदिर, और शिलालेख हैं, जो यहाँ की ऐतिहासिक गाथाओं को जीवित रखते हैं। इसके अलावा, झारखंड की जनजातीय संस्कृति इसे और भी विशेष बनाती है। यहाँ कई जनजातीय समूह जैसे संताल, हो, मुंडा, और उरांव अपने अनूठे पारंपरिक पहनावे, नृत्य, और त्यौहारों के लिए मशहूर हैं। यहाँ का त्यौहार जैसे सरहुल और डकरी पूजा, पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति के करीब लाने का एक सही माध्यम है। साहसिक पर्यटन की बात करें तो झारखंड कई संभावनाएँ प्रदान करता है। यहाँ के पहाड़ जैसे राँची और चाईबासा, पर्वतारोहण के शौकीनों के लिए आदर्श स्थल हैं। इसके अलावा, झारखंड में रिवर राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियाँ भी लोकप्रिय हैं। कोयल नदी में हो रही राफ्टिंग एक अनूठा अनुभव देती है। इनसे न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलता है, बल्कि यह राज्य के लिए एक अतिरिक्त आय का स्रोत भी बनता है। झारखंड का जैव विविधता भी इसकी पर्यटन संभावनाओं को बढ़ाता है। पलामू टाइगर रिजर्व और अन्य वन्यजीव अभयारण्यों में विभिन्न प्रकार के जानवरों और पक्षियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। यहाँ का अद्वितीय वन्यजीव अनुभव पर्यटकों को आकर्षित करता है। जंगल सफारी, बर्ड वॉचिंग और नेचुरल ट्रेल्स यहाँ के प्रमुख आकर्षण हैं। यह न केवल पर्यटकों के लिए रोमांचक अनुभव है, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा और स्वास्थ्य

पर्यटन की बढ़ती प्रवृत्ति भी झारखंड में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती है। यहाँ के आयुर्वेदिक स्वास्थ्य रिसॉर्ट्स और केंद्र प्राकृतिक और चिकित्सीय उपचारों के लिए प्रसिद्ध हैं, जो पर्यटकों को स्वास्थ्य लाभ के लिए आमंत्रित करते हैं। इन केंद्रों में पारंपरिक औषधियों का उपयोग करके पर्यटकों को विशेष चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। हालांकि, झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इन चुनौतियों में पर्यटकों की सुरक्षा, पर्यटन स्थलों की स्वच्छता, और अवसंरचना का विकास शामिल हैं। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के साथ, स्वच्छता और संरक्षण की दिशा में ध्यान केंद्रित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए स्थानीय सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा। साथ ही, बताया गया है कि झारखंड में पर्यटन अवसंरचना का विकास भी आवश्यक है। सड़कें, परिवहन सेवाएँ, और होटल व्यवस्था को सुधारने की आवश्यकता है ताकि अधिक से अधिक पर्यटक यहाँ का दौरा कर सकें। वर्तमान में, झारखंड में कुछ अच्छी होटल और रिसॉर्ट्स हैं, लेकिन इनकी संख्या और गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। झारखंड की सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य इसे एक अद्वितीय पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहाँ की स्थानीय जीवनशैली, चित्रित शिल्प, और पारंपरिक व्यंजन भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। झारखंड की विशेषता यह है कि यहाँ के लोग अपनी संस्कृति को बड़े ही गर्व से प्रस्तुत करते हैं, जिससे पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव मिलता है। पर्यटन उद्योग के विकास से न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि यह आर्थिक समृद्धि का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनेगा। यदि सही नीतियाँ और योजनाएँ बनाई जाएँ, तो झारखंड न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है। अंततः, झारखंड में पर्यटन के असिमित संभावनाएँ हैं। इसके विकास के लिए सबको मिलकर प्रयास करना होगा। यह केवल पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी जीवन में बदलाव लाने का एक माध्यम बन सकता है।

झारखंड की राजधानी रांची है, जो अपने हरे-भरे वातावरण और शांतिपूर्ण जीवन शैली के लिए जानी जाती है। यहां की संस्कृति, संगीत और कला स्थानीय लोगों की जीवंतता को दर्शाती है। रांची के आस-पास कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे कि मैक्लुस्कीगंज, जहां आपको ब्रिटिश उपनिवेशी काल की सुंदर इमारतें देखने को मिलेंगी, और इसके साथ ही दर्शनीय रमणीय स्थलों का अनूठा संगम भी। झारखंड का एक प्रमुख आकर्षण है उसका ऐतिहासिक धरोहर स्थल। इस राज्य में पहले के खानाबदोश जनजातियाँ और उनके जीवनशैली के बारे में अनेक किंवदंतियाँ प्रचलित हैं। झारखंड में स्थित देवघर, जो बाबा बैधनाथ का तीर्थ स्थान है, हर साल लाखों भक्तों का स्वागत करता है। यह जगह हिंदू धर्म के अनुसार एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इसके अलावा, कोडरमा में स्थित पारसनाथ पर्वत एक और महत्वपूर्ण स्थान है, जहां जैन धर्म के अनुयायी अक्सर आते हैं। पारसनाथ पर्वत जैन तीर्थ की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है और यहां पर जैन मंदिरों की खूबसूरती और शांति पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। झारखंड में जलप्रपातों की भरमार है। इनमें से डुमका जलप्रपात, रंका जलप्रपात और **Hundru** जलप्रपात बहुत प्रसिद्ध हैं। जिनके आसपास की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। ये जलप्रपात न केवल अपने आप में दर्शनीय हैं, बल्कि यहां के जल और वातावरण का आनंद उठाने के लिए भी बहुत से लोग आते हैं। झारखंड में आदिवासी संस्कृति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहाँ कई स्थानीय जनजातियाँ निवास करती हैं, जिनका अपना विशेष जीवन शैली, कला और परंपराएँ हैं। सरना पर्व, जो कि आदिवासी समाज का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, यहां की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। इसके साथ ही, यहाँ के संगीत, नृत्य और कला भी अद्वितीय हैं। धनबाद, जो कि कोयले की खदानों के लिए प्रसिद्ध है, भी पर्यटकों के लिए एक दिलचस्प स्थान है। वहाँ आप विभिन्न खान और वहाँ के कामकाजी जीवन को देख सकते हैं। धनबाद के आसपास स्थित झरिया क्षेत्र भी कई लोगों को आकर्षित करता है। राज्य के पर्यटन में एवरेस्ट बेस कैम्प और हज़ारीबाग भी एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करते हैं। यहां की हरे-भरे चप्पे और वनों का सौंदर्य, हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। हज़ारीबाग का

राष्ट्रीय उद्यान भी वन्य जीवन प्रेमियों और प्रकृति के प्रेमियों के लिए आदर्श स्थल है। यहाँ बाघ, चीतल, सियार और कई प्रकार के पक्षी देखने का मौका मिलता है। झारखंड का समृद्ध इतिहास और संस्कृति संग्रहालयों में भी देखी जा सकती है। रांची का झारखंड राज्य म्यूजियम यहाँ के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहर का अद्भुत संग्रह है। यहां पर आप आदिवासी जीवन, उनके किले और कला के अद्भुत नमूने देख सकते हैं। इसके अलावा, झारखंड की प्रमुखताओं में से एक है यहाँ के स्थानीय खाद्य पदार्थ। विभिन्न प्रकार की स्थानीय डिशेज और मिठाइयाँ यहाँ के खाने की विशेषता हैं, जो पर्यटकों को लुभाती हैं। इस प्रकार, झारखंड का पर्यटन स्थल न केवल प्राकृतिक सुंदरता बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक समृद्धि का एक अद्भुत मेल है। प्रत्येक पर्यटक यहां आकर विभिन्न अनुभवों का आनंद ले सकता है और एक यादगार यात्रा कर सकता है। इस राज्य की प्राकृतिक भव्यता, अद्वितीय संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व इसे एक खास स्थान देता है। झारखंड में आप न केवल प्रकृति के नजारे देख सकते हैं, बल्कि यहां की विविधताओं का अनुभव भी कर सकते हैं, जो इसे भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

### **झारखंड में पर्यटन की असीम संभावनाओं को लेकर सरकार की योजनाएं**

झारखंड, जिसे प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, भारत के पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। यह राज्य विविधता से भरा हुआ है, जिसमें घने जंगल, पहाड़, जलप्रपात और ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं। पर्यटन ने झारखंड की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई नीतियाँ और योजनाएँ बनाई हैं। इस निबंध में हम झारखंड में पर्यटन की संभावनाओं और सरकार की नीतियों का अवलोकन करेंगे।

#### **1. प्राकृतिक संपदा और विविधता**

झारखंड की भूगोलिक स्थिति इसे अद्वितीय बनाती है। यहां की पहाड़ियां, जलप्रपात, और राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। रांची, धनबाद, हजारीबाग, और देवघर जैसे

शहरों में ऐसे कई स्थल हैं जो पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, झारखंड के हजारीबाग नेशनल पार्क में वन्य जीवों की एक अद्वितीय विविधता देखने को मिलती है। इसके अलावा, रांची के हंडरू जलप्रपात, डुमका जलप्रपात, और आसपास के अन्य जलप्रपातों का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को लुभाता है।

## 2. समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर

झारखंड का सांस्कृतिक इतिहास भी अद्भुत है। राज्य में विभिन्न आदिवासी जनजातियाँ निवास करती हैं, जिनकी अपनी विशेष परंपराएँ और संस्कृतियाँ हैं। स्थानीय त्योहार जैसे संता पर्व, सरना पर्व, और झूलन पर्व पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। राज्य सरकार ने इन सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ बनाई हैं, ताकि पर्यटकों को यहाँ की संस्कृति का अनुभव हो सके।

## 3. सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ

झारखंड सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियाँ बनायी हैं। इनमें सरकारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, पर्यटन अवसंरचना में सुधार करना, और मीडिया के माध्यम से झारखंड के पर्यटन स्थलों को प्रमोट करना शामिल है।

### पर्यटन अवसंरचना में सुधार

सरकार ने होटल, रेस्टोरेंट, और परिवहन सुविधाओं को सुधारने के लिए निवेश किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पर्यटकों को रहने और घूमने में कोई परेशानी ना हो, सरकार ने कई योजनाएँ बनाई हैं।

### सुरक्षा और सुविधा

पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुलिस और अन्य एजेंसियों के माध्यम से विशेष उपाय किए गए हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि पर्यटक बिना किसी डर के अपने यात्रा का आनंद ले सकें।

### पर्यटन से संबंधित कौशल विकास

स्थानीय लोगों के लिए पर्यटन से जुड़े कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि यह स्थानीय संस्कृतियों को भी संरक्षित करने में मदद करेगा।

#### **4. स्थानीय लोगों को शामिल करना**

झारखंड सरकार ने स्थानीय समुदायों को पर्यटन के विकास में शामिल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। समुदायों को स्थानीय उद्योगों से जोड़ने, उनके उत्पादों को प्रोत्साहित करने और उनकी संस्कृतियों को प्रकट करने के लिए स्थानीय मेलों का आयोजन किया जाता है। यह सुनिश्चित करता है कि स्थानीय लोग भी पर्यटन के लाभों का अनुभव कर सकें।

#### **5. सार्वजनिक-निजी भागीदारी**

सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। यह विभिन्न कंपनियों और संगठनों के साथ साझेदारी करके पर्यटन के विभिन्न पहलुओं को विकसित करने का प्रयास है। इससे न केवल निवेश बढ़ेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

#### **6. प्रचार और मार्केटिंग**

झारखंड की पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकारी योजनाएँ और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड के पर्यटन स्थलों का प्रचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अंतर्गत पर्यटन मेलों, प्रदर्शनी, और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किया जाता है।

#### **7. स्थायी पर्यटन**

झारखंड सरकार ने स्थायी पर्यटन पर भी जोर दिया है। इसके अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संसाधनों का संरक्षण और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है। यह सुनिश्चित करना कि पर्यटन विकास स्थानीय समुदायों और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव न डाले, सरकार की प्राथमिकता है।

## 8. चुनौती और समाधान

• हालांकि झारखंड में पर्यटन की संभावनाएँ बहुत हैं, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी हैं। अवसंरचना की कमी, सुरक्षा की चिंता, और स्थानीय संस्कृति की समझ में कमी कुछ प्रमुख चुनौतियाँ हैं। इन्हें हल करने के लिए सरकार को निरंतर प्रयास करते रहना होगा,

### निष्कर्ष

झारखंड में पर्यटन की संभावनाएँ अपार हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता, और ऐतिहासिक महत्व इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाते हैं। सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ इस क्षेत्र को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यदि इन चुनौतियों का समाधान किया जाए, तो झारखंड को भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक बनाया जा सकता है। इस प्रकार, झारखंड में पर्यटन का विकास न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यदि सही तरीके से और स्थायी विकास के सिद्धांतों का पालन करते हुए कार्य किया जाता है, तो झारखंड का पर्यटन भविष्य उज्ज्वल रहेगा।

### संदर्भ सूची:

1. सिन्हा, ए. के. (2010)। \*झारखंड पर्यटन: संभावनाएँ और चुनौतियाँ\*। रांची: राधा
3. भारतीय पर्यटन मंत्रालय। (2022)। \*झारखंड पर्यटन सांख्यिकी रिपोर्ट
4. कुमारी, एस. (2020)। “झारखंड में पर्यटन और स्थानीय समुदाय: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”(डॉक्टरेट थीसिस)। रांची विश्वविद्यालय
5. झारखंड सरकार। (2021)। “झारखंड पर्यटन नीति 2021”
6. तिवारी, एस. (2024, 10 जनवरी)। झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएँ। दैनिक जागरण



7. शर्मा, आर. (2024, 5 फरवरी)। “झारखंड पर्यटन पर साक्षात्कार\* [साक्षात्कार] “
8. कुमार, एस. (निर्देशक)। (2019)। “झारखंड: एक यात्रा” [डॉक्यूमेंट्री]। डिस्कवरी इंडिया
9. वर्मा, आर. (व्यक्तिगत संचार, 15 जनवरी, 2024)